लखनऊ में 5 से 14 तक माटीकला मेला

लखनऊ। दीपावली पर माटीकला शिल्पकारों के उत्पादों की बिक्री को बढ़ाने के लिए प्रदेश माटी कला बोर्ड 5 से 14 नवंबर तक माटीकला मेले का आयोजन कर रहा है। राजधानी के डालीबाग स्थित खादी भवन में लगने वाले इस मेले में विभिन्न जिलों के उत्कृष्ट शिल्पकारों के निर्मित माटीकला उत्पादों का प्रदर्शन होगा।

एमएसएमई विभाग के अपर मुख्य सचिव, डॉ. नवनीत सहगल ने बताया कि मेले का मुख्य उद्देश्य दूर-दराज के हस्तशिल्पियों की उत्कृष्ट कलाकृतियों को एक मंच पर लाकर बड़ा बाजार मुहैया कराना है। मेले में गोरखपुर का टेराकोटा, आजमगढ़ की ब्लैक पॉटरी, खुर्जा के मिट्टी के बर्तन सहित लखनऊ, कुशीनगर, मिर्जापुर, चंदौली, उन्नाव, बलिया, कानपुर, पीलीभीत, प्रयागराज, वाराणसी और अयोध्या के मिट्टी से बने खास उत्पाद उपलब्ध होंगे। दिवाली से पूर्व इस लगने वाले इस मेले में पारंपरिक कारीगरों द्वारा निर्मित लक्ष्मी-गणेश मूर्तियां और डिजाइनर दीये भी प्रमुख आकर्षण होंगे। मेले में हिस्सा लेने वाले कारीगरों को बिक्री के लिए निशुल्क स्टॉल एवं आवास भी उपलब्ध कराया जाएगा।

गोरखपुर का टेराकोटा और लक्ष्मी-गणेश की मिट्टी की मूर्तियां होंगी मुख्य आकर्षण

सहगल ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर इस बार की दिवाली में उत्कृष्ट श्रेणी के स्वदेशी लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां तैयार करने के लिए कारीगरों को पीओपी मास्टर डाई, स्प्रे-पेंटिंग मशीन, पगमिल, आधुनिक भट्ठी एवं दीया मेकिंग मशीनें निशुल्क उपलब्ध कराई गई है। कारीगरों को उनके गांव एवं घर में विशेषज्ञों के माध्यम निशुल्क प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। इस दीपावली पर लोगों को स्वदेशी मिट्टी के बने लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां उचित मूल्य पर उपलब्ध होंगी। ब्यूरो